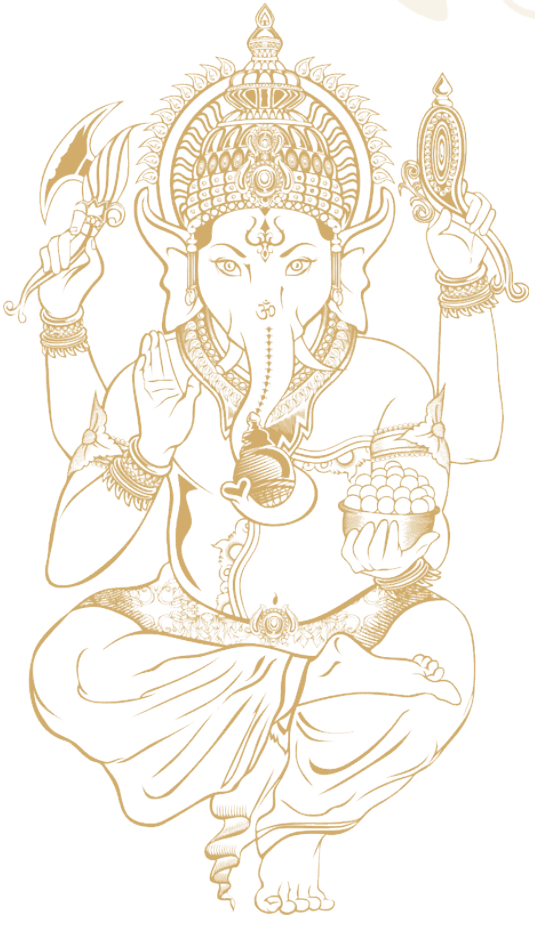

Himani rawal

15 Sep 1992

04:55 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121315602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/09/1992**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:55:00 घंटे**
इष्ट	57:03:24 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:33:52 घंटे
वेलान्तर	00:04:27 घंटे
साम्पातिक काल	04:10:35 घंटे
सूर्योदय	06:05:38 घंटे
सूर्यास्त	18:27:10 घंटे
दिनमान	12:21:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:37:05 सिंह
लग्न के अंश	12:14:52 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	12:14:52	314:03:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	28:37:05	00:58:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	स्वराशि
चंद्र			मेष	00:53:09	12:21:50	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	07:46:57	00:33:44	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	28:27:24	01:51:38	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
गुरु		अ	कन्या	00:44:22	00:12:59	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	23:47:12	01:13:31	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि	व		मक	18:50:32	00:02:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	02:28:15	00:10:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	02:28:15	00:10:25	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:18:40	00:00:24	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:27:56	00:00:25	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:58:41	00:01:29	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	10:51:13	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:36

लग्न-चलित

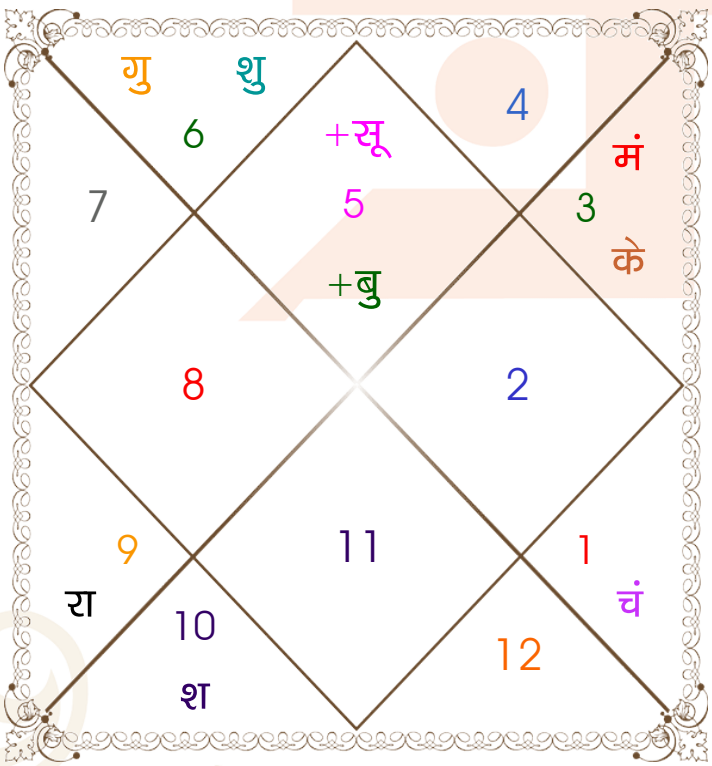

चन्द्र कुंडली

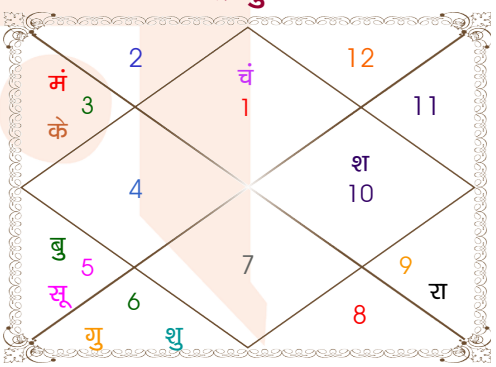

नवमांश कुंडली

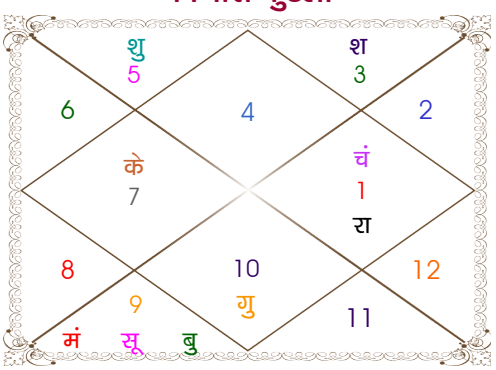

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 6 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/09/1992		30/03/1999		30/03/2019		29/03/2025		30/03/2035	
30/03/1999		30/03/2019		29/03/2025		30/03/2035		29/03/2042	
	15/09/1992	शुक्र	29/07/2002	सूर्य	17/07/2019	चंद्र	27/01/2026	मंगल	26/08/2035
शुक्र	25/10/1993	सूर्य	29/07/2003	चंद्र	16/01/2020	मंगल	29/08/2026	राहु	12/09/2036
सूर्य	02/03/1994	चंद्र	29/03/2005	मंगल	23/05/2020	राहु	27/02/2028	गुरु	19/08/2037
चंद्र	01/10/1994	मंगल	29/05/2006	राहु	16/04/2021	गुरु	28/06/2029	शनि	28/09/2038
मंगल	27/02/1995	राहु	29/05/2009	गुरु	03/02/2022	शनि	28/01/2031	बुध	25/09/2039
राहु	17/03/1996	गुरु	28/01/2012	शनि	16/01/2023	बुध	28/06/2032	केतु	21/02/2040
गुरु	21/02/1997	शनि	30/03/2015	बुध	22/11/2023	केतु	27/01/2033	शुक्र	22/04/2041
शनि	01/04/1998	बुध	27/01/2018	केतु	29/03/2024	शुक्र	28/09/2034	सूर्य	28/08/2041
बुध	30/03/1999	केतु	30/03/2019	शुक्र	29/03/2025	सूर्य	30/03/2035	चंद्र	29/03/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/03/2042		29/03/2060		29/03/2076		30/03/2095		30/03/2112	
29/03/2060		29/03/2076		30/03/2095		30/03/2112		00/00/0000	
राहु	10/12/2044	गुरु	17/05/2062	शनि	02/04/2079	बुध	25/08/2097	केतु	26/08/2112
गुरु	05/05/2047	शनि	27/11/2064	बुध	10/12/2081	केतु	22/08/2098	शुक्र	16/09/2112
शनि	11/03/2050	बुध	05/03/2067	केतु	19/01/2083	शुक्र	23/06/2101		00/00/0000
बुध	27/09/2052	केतु	09/02/2068	शुक्र	20/03/2086	सूर्य	30/04/2102		00/00/0000
केतु	16/10/2053	शुक्र	10/10/2070	सूर्य	02/03/2087	चंद्र	29/09/2103		00/00/0000
शुक्र	16/10/2056	सूर्य	29/07/2071	चंद्र	01/10/2088	मंगल	25/09/2104		00/00/0000
सूर्य	09/09/2057	चंद्र	27/11/2072	मंगल	09/11/2089	राहु	15/04/2107		00/00/0000
चंद्र	11/03/2059	मंगल	03/11/2073	राहु	15/09/2092	गुरु	21/07/2109		00/00/0000
मंगल	29/03/2060	राहु	29/03/2076	गुरु	30/03/2095	शनि	30/03/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 6 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।